मत कर मोह तू हरि भजन को मान रे

मत कर मोह तू, हरि भजन को मान रे तू ।
हरि भजन को मान रे तू...

नयन दिए दर्शन करने को, श्रवण दिए सुन ज्ञान रे ।
हरि भजन को मान रे तू...

वदन दिया हरि गुण गाने को, हाथ दिए कर दान रे ।
हरि भजन को मान रे तू...

कहत कबीर सुनो भाई साधो, कंचन निपजत खान रे ।
हरि भजन को मान रे तू...

स्वर : पुरषोत्तम दास जलोटा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1035/title/mat-kar-moh-tu-hari-bhajan-ko-maan-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |